बेरोजगारी की चुनौती से निपटने में उद्यमिता ही एक मात्र विकल्प

यूटीयू में ग्रामीण उद्यमिता पर कार्यशाला आयोजित

देहरादून (एसएनबी)। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सामाजिक एवं ग्रामीणउद्यमिता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मुहैया करने पर जोर दिया गया।

सोमवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति डा.ओंकार सिंह ने किया। डा.ओंकार सिंह ने कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या गांवों में रहती है, लेकिन गांव में रोजगार का अभाव होने के कारण लोगों को शहरों की ओर पलायन करना पड़ता है।

बेरोजगारी की चुनौती से मुकाबला करने के लिए उद्यमिता ही एक मात्र विकल्प है,जिसमें ग्रामीण अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर अपने परिवार का भरण पोषण करने के साथ ही अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कराने में सक्षम होते हैं। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद छात्रों के बीच में स्वयं सहायता समूह स्थापित व्यवसाय को बढ़ाने में सहयोग देते हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के रिसोर्स पर्सन डा. संजय कुमार अग्रवाल ने ग्रामीण उद्यमिता केंद्र के मिशन और विजन पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही ग्रामीण उद्यमिता केंद्र में होने वाली गतिविधियों प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने भारत सरकार के द्वारा चलाई जा रही एक जिला एक उत्पाद योजना की भी जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वयक डा.डीएस गंगवार ने प्रतिभागियों को ग्रामीण उद्यमिता के महत्व को समझाया। साथ ही उन्नत भारत अभियान व ग्राम अभिग्रहण योजना के अंतर्गत किये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। सहायक प्राध्यापक गणेश खंडूरी ने सभी का आभार जताया।

इस मौकेपर डा.संदीप नेगी, डा.विशाल रमोला, डा.राहुल बहुगुणा, संगीता ध्यानी, मोनिका गुप्ता, पूजा सेमवाल आदि मौजूद थे।